उपयुक्त कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को चुनने, उनका पर्यवेक्षण (सुपरविज़न) करने और उन्हें विकसित करने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शिका

सुरक्षित कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को चुनना	व्यावहारिक सुझाव	अच्छे परिणाम
यह निर्धारित करना कि क्या भूमिका का बच्चों के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क होगा, या भूमिका की बच्चों और उनके परिवारों के बारे में संवेदनशील जानकारी तक पहुंच होगी	बच्चों के साथ भूमिका के संपर्क के प्रकार का आकलन करने, और अलग-अलग बच्चों के बारे में जानकारी तक किस तरह की पहुंच होगी, इससे यह निर्धारित होगा कि क्या: • भूमिका के लिए कानूनी रूप से वर्किंग विद चिल्ड्रन चेक (बच्चों के साथ काम करने की जांच) की आवश्यकता है, या बच्चों के लिए जोखिम को कम करने के लिए वर्किंग विद चिल्ड्रेन चेक की आवश्यकता होती है • अन्य स्क्रीनिंग और जांच की भी जरूरत है • भूमिका के लिए प्रशिक्षण के किस प्रकार और पर्यवेक्षण के किस स्तर की आवश्यकता होगी।	भूमिका के लिए पृष्ठभूमि की जांच, प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण का सही स्तर मौजूद है।
ड्यूटी स्टेटमेंट या नौकरी का विवरण विकसित करना	ड्यूटी स्टेटमेंट या नौकरी का विवरण पद (पोजीशन) की भूमिका, जिम्मेदारियों और अपेक्षाओं को स्पष्ट करता है और रिपोर्टिंग लाइनों की रूपरेखा तैयार करता है। यह निर्धारित करें कि क्या पोजीशन (पद) के लिए वर्किंग विद चिल्ड्रन चेक (बच्चों के साथ काम करने की जांच), पेशेवर पंजीकरण या योग्यता की आवश्यकता है या नहीं।	सबसे उपयुक्त कर्मचारियों या स्वयंसेवकों की भर्ती।
मुख्य चयन मानदंड विकसित करना	चयन मानदंड उन प्रमुख कौशल, विशेषताओं और अनुभव की पहचान करने में मदद करते हैं जो ड्यूटी स्टेटमेंट में उल्लिखित कर्तव्यों और कार्यों को करने के लिए आवश्यक हैं।	भूमिका के लिए सही व्यक्ति को चुनना अधिक आसान होगा यदि आप पहले से इस बारे में सोचते/ती हैं कि आपको क्या चाहिए।
पोजीशन (पद) का विज्ञापन करें	बाल सुरक्षा और कल्याण नीति के साथ इस बात का प्रचार करें कि आप एक बाल सुरक्षित संगठन हैं।	यह स्पष्ट करता है कि बाल सुरक्षा आपके संगठन की संस्कृति का हिस्सा है और इससे आपको संगठन के समान मूल्यों वाले लोगों को आकर्षित करने में मदद मिलती है।

सुरक्षित कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को चुनना	व्यावहारिक सुझाव	अच्छे परिणाम
आवेदकों का साक्षात्कार करना	बच्चों के साथ काम करने के लिए आवेदक की प्रेरणा के बारे में पूछें। आवेदक के वास्तविक जीवन के अनुभव और निम्नलिखित के संबंध में उनकी समझबूझ के बारे में प्रश्न पूछें: • बच्चों की शारीरिक और भावनात्मक ज़रूरतें • पेशेवर सीमाएँ • बच्चों के अधिकार। आवेदक के साथ उनकी मान्यताओं का पता लगाएं और यह कि क्या वे बाल सुरक्षा और भलाई और बाल दुर्व्यवहार और नुकसान की रोकथाम के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं। सभी बच्चों और उनके परिवारों के लिए आदिवासी (एबोरिजनल) सांस्कृतिक सुरक्षा और समावेशी प्रथाओं के लिए आवेदक के दृष्टिकोण पर चर्चा करें। **उपयोगी सवाल:** • कृपया बच्चों और युवाओं के साथ काम करने के या बच्चों और युवाओं के साथ काम करने वाले संगठनों के साथ काम करने के अपने अनुभवों (यदि कोई हो) को सूचीबद्ध करें। यह आपके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के अनुभव हो सकते हैं (जिसमें खेलकूद से जुड़ी भूमिकाओं जैसी स्वयंसेवी भूमिकाएं शामिल हैं)। • कृपया उदाहरण दें कि आप एक वयस्क और एक बच्चे या युवा व्यक्ति के बीच कौन से आचरण को उचित और किसे अनुचित मानेंगे/गी। • अगर आपको लगता है कि एक सहकर्मी एक बच्चे के साथ अनुचित व्यवहार कर रहा है, तो आप क्या करेंगे/गी? • आप बच्चों और युवाओं के साथ जुड़ने के अपने दृष्टिकोण का वर्णन कैसे करेंगे/गी? चयन पैनल पर एक से अधिक व्यक्ति को रखें ताकि आप आवेदकों के विचारों पर चर्चा कर सकें। यदि संभव हो तो पैनल पर अलग-अलग विशेषताओं और पृष्ठभूमियों वाले लोगों को रखें, जैसे कि अलग-अलग लिंग के लोग। पैनल में एक युवा व्यक्ति को शामिल करने से आपको एक अलग दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यदि आप सुनिश्चित नहीं हैं कि आप किस व्यक्ति को नियुक्त करना चाहते/ती हैं या आपको किसी उम्मीदवार के बारे में कुछ संदेह है, तो दूसरे साक्षात्कार का आयोजन करें। हो सकता है कि आप दूसरे साक्षात्कार में अधिक अनौपचारिक चर्चा करना चाहें, जिससे अधिक स्पष्ट बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया जा सके ताकि आप लोगों को बेहतर तरीके से जान सकें।	एक ऐसी प्रक्रिया जो आवेदक के कौशल और उपयुक्तता का आकलन करने के लिए उचित अवसर प्रदान करती है और जो निष्पक्ष है।

सुरक्षित कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को चुनना	व्यावहारिक सुझाव	अच्छे परिणाम
कम से कम दो रेफरेंस चेक (संदर्भ जाँचें) पूरी करें	कम से कम दो रेफरेंस चेक की जानी चाहिए। लिखित संदर्भों को स्वीकार न करें। आपको हमेशा रेफरी से बात करनी चाहिए। आवेदक के वर्तमान या सबसे हाल के नियोक्ता से कम से कम एक रेफरी की जानकारी देने के लिए कहें। यह आवश्यक है कि रेफरी ने बच्चों के साथ आवेदक के काम को व्यक्तिगत रूप से देखा हो। **उपयोगी सवाल:** • क्या आपने व्यक्ति को बच्चों के साथ बातचीत करते हुए देखा है? क्या आप व्यक्ति के बच्चों के साथ संबंधों और बातचीत के प्रकारों का वर्णन कर सकते/ती हैं? • क्या आप आवेदक को फिर से रोज़गार देंगे? • क्या आपको आवेदक के सीधे बच्चों के साथ काम करने को लेकर कोई चिंताएं हैं? • क्या आप यह जानकर सहज हैं कि आवेदक कभी-कभी बच्चों के साथ अकेले रह सकता है? • क्या आप हमें उस समय का उदाहरण दे सकते/ती हैं जब आपने आवेदक को बच्चे के चुनौतीपूर्ण व्यवहार का जवाब देते हुए देखा था? • क्या आपके पास व्यक्ति से संबंधित कोई अनुशासनात्मक मामले हैं या आपको उनके द्वारा संगठन की आचार संहिता का अनुपालन किए जाने को लेकर कोई चिंताएं हैं?	उम्मीदवार के बारे में जानकारी का संग्रह आपको आवेदक की उपयुक्तता के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद करता है।
कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को इंडक्शन, पर्यवेक्षण (सुपरविज़न), सहायता और निगरानी प्रदान करें	नए कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को संगठन की बाल सुरक्षा और कल्याण नीति, आचार संहिता और संबंधित नीतियों और प्रक्रियाओं से परिचित कराएं। निम्नलिखित के बारे में निरंतर प्रशिक्षण प्रदान करना: • बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के संकेतों की पहचान करना और उनका जवाब देना • किसी बच्चे को नुकसान पहुँचाने के बारे में खुलासा करने वाले किसी व्यक्ति का समर्थन करना • बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों का आकलन और प्रबंधन करना • बच्चों का सशक्तिकरण और भागीदारी • रिकॉर्ड रखना और जानकारी साझा करना • बाल सुरक्षा की रिपोर्टिंग और प्रतिक्रिया संबंधी दायित्व • सांस्कृतिक सुरक्षा और समावेशी प्रथाएं। यह ज़रूरी है कि कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के निरंतर पर्यवेक्षण और प्रबंधन में बाल सुरक्षा और भलाई पर ध्यान दिया जाना शामिल हो। यह नियमित स्टाफ पर्यवेक्षण (सुपरविज़न), पेशेवर विकास योजनाओं और स्टाफ मंचों और बैठकों के माध्यम से हो सकता है। यदि कर्मचारी या स्वयंसेवक संगठन की बाल सुरक्षा और कल्याण आचार संहिता का पालन नहीं करते हैं, तो कार्रवाई की जाती है, जिसमें स्टाफ के सदस्य या स्वयंसेवक के साथ इसे उठाना और यह जांच करना शामिल है कि वे अपना व्यवहार बदलते हैं।	कर्मचारी और स्वयंसेवक समझते हैं कि बच्चों को कैसे सुरक्षित रखा जाए, नुकसान को कैसे रोका और कम किया जाए और वे आत्मविश्वास के साथ कदम उठा सकते हैं।